कक्षा IX -

विषय - हिन्दी

पाठ - माटी वाली - (कृतिका)

1. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का समय क्यों नहीं था ?

माटी वाली की अहम समस्या यह थी कि अपना तथा अपने बुढ़ढ़े का पेट कैसे भरेगी। अगर गाँव छोड़कर जाना पड़े तो वह गुजारा कैसे करेगी। यह समस्या को लेकर वह परेशान थी, इसलिए उसे अच्छे भाव या बुरे भाग्य के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं था।

२- भूख मीठी कि भोजन मीठा से क्या अभिप्राय है ?

इसका अभिप्राय यह है भोजन मीठा या स्वादिष्ट नहीं हुआ करता, वह भूख के कारण स्वादिष्ट लगता है। अतः रोटी या भोजन का वास्तविक स्वाद भूख होती है।

3. माटी वाली का रोटियों का इस तरह हिसाब लगाना उसकी किस मजबूरी को प्रकट करता है ?

माटी वाली का रोटियों को इस तरह गिनना बताता है कि वह बहुत गरीब है। उसके पास पेट भरने को पर्याप्त साधन नहीं है। वह रोज कमाती और खाती है।

कक्षा IX -

विषय - हिन्दी

पाठ - माटी वाली - (कृतिका)

1. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का समय क्यों नहीं था ?

माटी वाली की अहम समस्या यह थी कि अपना तथा अपने बुढ़ढ़ का पेट कैसे भरेगी। अगर गाँव छोड़कर जाना पड़े तो वह गुजारा कैसे करेगी। यह समस्या को लेकर वह परेशान थी, इसलिए उसे अच्छभाव या बुरे भाग्य के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं था।

२- भूख मीठी कि भोजन मीठा से क्या अभिप्राय है ?

इसका अभिप्राय यह है भोजन मीठा या स्वादिष्ट नहीं हुआ करता, वह भूख के कारण स्वादिष्ट लगता है। अतः रोटी या भोजन का वास्तविक स्वाद भूख होती है।

3. माटी वाली का रोटियों का इस तरह हिसाब लगाना उसकी किस मजबूरी को प्रकट करता है ?

माटी वाली का रोटियों को इस तरह गिनना बताता है कि वह बहुत गरीब है। उसके पास पेट भरने को पर्याप्त साधन नहीं है। वह रोज कमाती और खाती है।